edufy publications

नज़ारा

Grade - 3

TEACHERS RESOURCE MANUAL

Hindi
Grade 3

प्रिय अध्यापक बंधुओं ...

शिक्षा के क्षेत्र में कई प्रकार के अनुसंधान हो रहे हैं और उसके अनुसार परिवर्तन भी हो रहे हैं । किसी भी समाज का भविष्य उसके बच्चों को दी जाने वाली शिक्षा से परिभाषित होता है। ये बच्चे ही हैं जो किसी देश की सामाजिक और आर्थिक प्रगति को ज़ारी रखना सुनिश्चित करते हैं। बेहतर शिक्षण और व्यवहारिक परिणामों के लिए ज्ञान के प्रसार की सीख और तरीके लगातार विकसित हो रहे हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 (NCF 2023) के आधार पर '**नज़ारा**' पुस्तक तैयार की गयी है । एनसीएफ 2023 की शुरूआत हमारी शिक्षा प्रणाली को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस व्यापक ढांचे का उद्देश्य शिक्षा की पुनर्कल्पना करना, इसे अधिक समग्र, लचीला और छात्रों की आवश्यकताओं के अनुकूल बनाना है ताकि वे 21वीं सदी के कौशल के स्तर तक पहुंच सकें। एनसीएफ 2023 मूलभूत शिक्षा, अनुभवात्मक शिक्षा, आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता के महत्व पर ज़ोर देता है । यह सभी शिक्षार्थियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करते हुए शिक्षा के प्रति अधिक लचीले और समावेशी दृष्टिकोण का भी आह्वान करता है।

'**नज़ारा' कक्षा : 3** की पाठ्य पुस्तिका में चार इकाईयाँ है । हर एक इकाई का अलग-अलग आशय है ।इकाई के पाठ भाग विभिन्न प्रोक्तियों में है । इनसे गुज़रते हुए छात्रों को सामाजिक जीवन के लिए उपयोगी मूल्य और मनोभाव प्राप्त होना है । साथ ही साथ भाषा तत्व और व्याकरण तत्वों का भी ज्ञान हासिल करना है ।

उम्मीद है कि हर एक इकाई के पाठ भागों को आकर्षक और स्तरानुकूल गतिविधियों के ज़रिए सक्रिय बनाते हुए छात्रों को अधिगम उपलब्धियाँ प्राप्त कराने में हम कामयाब हो जाएँ ।

इसी तमन्ना के साथ...

1 खुशहाली हरियाली में

जैसा कि हम 21वीं सदी के स्वीकृति चौराहे पर खड़े हैं, यह तेजी से स्पष्ट हो गया है कि मानव गतिविधियों के पर्यावरण पर दूरगामी परिणाम हैं और यह अब बहस का विषय नहीं है कि मनुष्य अपने पर्यावरण को कैसे प्रभावित करते हैं । औद्योगीकरण के तेजी से विस्तार से लेकर पर्यावरण पर मानव आबादी के प्रभाव तक, पृथ्वी पर हमारी उपस्थिति ने अपनी छाप छोड़ी है। प्रकृति का नाजुक संतुलन जिसने सदियों से इस ग्रह पर जीवन को बनाए रखा है, अब बिगड़ गया है, क्योंकि हम पारिस्थितिकी तंत्र पर मानव प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, आवास की हानि और संसाधनों की कमी जैसे मुद्दों का सामना कर रहे हैं। पर्यावरण पर मानव प्रभाव की सीमा को सही मायने में समझने के लिए, हमें संख्याओं की जांच करने की आवश्यकता है।

आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण को सुरक्षित रखने में छात्रों को अवबोध कराना तथा पेड़ों के महत्व को समझते हुए प्रकृति प्रेम की भावना जगाने वाली कविता '**बड़े उपकारी है पेड़**' और पर्यावरण प्रदूषण में मानव के हस्तक्षेप को समझाने वाली कहानी **'बेबसी'**आदि इस इकाई के पाठ भाग है ।

इकाई की शुरुआत में ब्रिडज पैकेज के रूप में चित्र कहानी (पन्ना संख्या : 06) दी गयी है । पहली और दूसरी कक्षाओं से वर्ण और शब्दों का ज्ञान प्राप्त करके आने वाले छात्रों के पूर्वज्ञान को पहचानना और सुधारना इसका उददेश्य है । पन्ना सख्या : 20 में दी गई बातें भी इसी लक्ष्य से हैं । नारे तैयार करना,समान अर्थवाले शब्द, विलोम शब्द, वर्तनी आदि पहचानना जैसे कुछ भाषा-परक कार्य भी इस इकाई में शामिल है ।

प्रोक्ति - चित्र कहानी

गतिविधि 1 - चित्र कहानी का वाचन
समय : 01 कालांश
प्रक्रिया :-
अनौपचारिक संवाद :
आप कहें :

- प्यारे बच्चों, सबको मेरा प्यार भरा नमस्कार ।
- कैसे हैं आप? सब खुश है ना?
- सबको नए स्कूल वर्ष की शुभकामनाएँ ।
- बच्चों, नए शैक्षिक साल में आपके हाथों में नई-नई किताबें है ।
- हमारी नई हिंदी किताब का नाम है 'नज़ारा' । इसमें आपका पसंदीदा
- कहानी,कविता,बालगीत सब कुछ है ।
- सबको कहानी पसंद है ना? तो आईए आज हम एक चित्र कहानी का वाचन करेंगे । पन्ना संख्या 06 लें ।

(चित्र कहानी को स्लाइड में दिखायें ।)
बच्चों को चित्र दिखाकर बातचीत के लिए प्रेरित करें।
सभी चित्र दिखाकर बातचीत करें।
अंत में पूरी कहानी सुनाएँ।
छात्रों से कहानी का मौखिक अभ्यास कराएँ।

चित्रों के शब्द जोड़कर कहानी का वाचन करें। (पन्ना संख्या 07)
चित्रों के शब्द जोड़कर कहानी पूरा करके लिखें। उचित शीर्षक भी लिखें।
(अगले कालांश में किताब में लिखकर आने का निर्देश दें ।)

अधिगम उपलब्धियाँ

- चित्र देखकर शब्द पहचानता है।
- चित्रों का आशय ग्रहण करता है।
- चित्र देखकर बातचीत का मौखिक अभ्यास करता है।
- कहानी सुनकर समझता है।
- कहानी का मौखिक अभ्यास करता है।
- चित्रों के शब्द जोड़कर कहानी पूरा करके लिखता है।
- शीर्षक लिखता है।

प्रोक्ति - चित्र कहानी

गतिविधि 2 - चित्र कहानी का वाचन
समय : 01 कालांश
प्रक्रिया :-
पिछले दिन की कबूतर की कहानी को छात्रों से प्रस्तुत करवायें ।

पृष्ठ संख्या 8 की कहानी को स्लाईड पर प्रस्तुत करें और कहें :
बच्चों, आज हम एक दूसरी कहानी सुनेंगे ।

छात्रों को कहानी सुनाएं और पृष्ठ संख्या 8 के सवाल पूछते हुए आशय समझने का मौका दें ।
पृष्ठ संख्या 09 में दी गई 'सोचें और लिखें' के सवाल पूछते हुए चर्चा चलाएं और समझाएं कि पौधे को अनोखा उपहार के रूप में मिलने का महत्व क्या है?
बच्चों को अपने अनुभव प्रस्तुत करने का आवसर दें ।
कहानी के लिए उचित शीर्षक देखकर लिखने का निर्देश दें । (अनुबंध कार्य)

संक्षिप्तीकरण :

जन्मदिन के अवसर पर दोस्तों ने कई प्रकार के उपहार दिए होंगे । जैसे : मिठाइयां,खिलौने,कपड़े,कलम,गुड़िया आदि । लेकिन पौधे को उपहार के रूप में देना इन सबसे बेहतर है । पौधों को लगाकर हम पर्यावरण को स्वच्छ बना सकते हैं । इसलिए पौधा एक अनोखा उपहार है ।

अधिगम उपलब्धियाँ:

- चित्र देखकर आशय पहचानता है।
- चित्रों के नीचे दिए विवरण से कहानी समझता है।
- उचित शीर्षक देता है।
- कहानी लिखता है।

1. बड़े उपकारी हैं पेड़

प्रोक्ति - कविता

गतिविधि 3 - कविता का वाचन करके आशय समझना ।
समय : 01 कालांश
प्रक्रिया :-
आप कहें ।

- बच्चों, रोहन के जन्मदिन की कहानी से हम समझ चुके हैं कि पौधे हमारे लिए अनोखे उपहार है ।
- आज हम पेड़ों के महत्व के बारें में एक वीडियो देखेंगे ।

(यूट्यूब से वीडियो डाउनलोड करके दिखाएँ ।)
वीडियो की प्रस्तुति के बाद छात्रों से पेड़ों के महत्व के बारे में चर्चा चलाएँ ।
पृष्ठ संख्या 5 का चित्र दिखाएँ और चित्र वाचन करने का निर्देश दें । पूछें –

- चित्र में क्या-क्या है?

छात्रों की ओर से संभावित उत्तर - गाँव,खेत,घर, गाय, चिड़िया,पेड़-पौधे ,सड़क,नदी मछलियां,कारखाना ....
आप बताएँ -

- सुंदर गाँव की स्वच्छता कैसे नष्ट हो रही है?

पृष्ठ संख्या 10 का चित्र दिखाएँ और पूछें –

- क्या तुमने कभी किसी पेड़ को गले लगाया है?

छात्रों को प्रतिक्रिया प्रकट करने का अवसर दें ।
संक्षिप्तीकरण करते हुए बताएँ –
हम अपनी माँ को गले लगाते हैं ना..., मां हमारे लिए बहुत प्यारी है । पेड़ भी
माँ के समान है ।
आज हम पेड़ों के महत्व के बारे में लिखी गई एक कविता पढ़ेंगे । कविता का
शीर्षक है – 1.बड़े उपकारी हैं पेड़ ।

ज़रा कविता पढ़कर देखें । (पहली चार पंक्तियां)
बड़े उपकारी हैं पेड़
माँ समान हैं पेड़।
कितने सुन्दर लगते हैं पेड़,
अपने फल न खाते पेड़।

वाचन प्रक्रिया चलाएँ ।
वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।
दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।
आशय की स्पष्टता के लिए आप विश्लेषणात्मक प्रश्न करें ।

- पेड़ किसके समान है?
- 'अपने फल न खाते पेड़ ।' इससे क्या तात्पर्य है?

आप एक बार कविता का आलाप करके सुनाएँ ।

संक्षिप्तीकरण करते हुए कहें –

पेड़ हमारे लिए बड़े उपकारी हैं । वे माँ के समान है । पेड़ अपने फल कभी नहीं खाते हैं । वे दूसरों के लिए फूलते और फलते हैं । माँ के समान उनका जीवन भी त्याग पूर्ण है ।

अनुबद्ध कार्य : विश्लेषणात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखकर आएँ ।

- पेड़ किसके समान है?
- 'अपने फल न खाते पेड़ ।' इससे क्या तात्पर्य है?

प्रोक्ति – कविता :

1. बड़े उपकारी हैं पेड़ (अंतिम आठ पंक्तियाँ)
गतिविधि 4 - कविता का वाचन करके आशय समझना ।
समय : 02 कालांश
प्रक्रिया :-
अनुबद्ध कार्य की जांच करें और सुधार करें ।
आप कहें :
आज हम कविता की अंतिम आठ पंक्तियों से गुजरेंगे ।

वाचन प्रक्रिया ज़ारी रखें । (अंतिम आठ पंक्तियां)

आम अमरूद सेब नारंगी,
फलों की खान है पेड़।
पत्थर भी जब खाते हैं पेड़
बदले में फल देते हैं पेड़।

प्रकृति का वरदान है पेड़,
प्राणवायु के खजाने हैं पेड़ ।
हरियाली करते हैं पेड़,
प्रकृति का प्रदूषण हटाते हैं पेड़ ।

- वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।
- दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।
- आशय समझने के लिए पृष्ठ संख्या 12 के शब्दकोश की मदद लेने को कहें ।
- आशय की स्पष्टता के लिए आप विश्लेषणात्मक प्रश्न करें ।
- 'पत्थर भी जब खाते हैं पेड़'- इसका तात्पर्य क्या है?
- पेड़ क्या हटाते हैं?
- (आप एक बार कविता का आलाप करके सुनाएँ ।)

कविता के आशय पर चर्चा और संक्षिप्तीकरण ।

पेड़ फलों की खान है । पेड़ पत्थर खाने पर भी बदले में मीठे फल देते हैं । सचमुच पेड़ प्रकृति का वरदान है, वे प्राण वायु के खजाने हैं । पेड़ हरियाली फैलाकर प्रकृति का प्रदूषण हटाते हैं ।
पेड़ फल देते हैं,प्राण वायु प्रदान करते हैं,हरियाली फैलाते हैं,प्रकृति का प्रदूषण हटाते हैं । इसलिए पेड़ बड़े उपकारी हैं ।

अनुबद्ध कार्य : विश्लेषणात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखकर आएँ ।

- 'पत्थर भी जब खाते हैं पेड़'- इसका तात्पर्य क्या है?
- पेड़ क्या हटाते हैं?

पृष्ठ संख्या 12 के सोचें और बताएं, सोचें और लिखें, पृष्ठ संख्या 13 के पंक्तियों का आशय लिखें आदि तैयार करके आने का निर्देश दें ।

अधिगम उपलब्धियाँ:

- कविता पढ़कर आशय समझना ।
- कविता का विश्लेषण करना ।
- कविता के पंक्तियों का आशय लिखना ।
- प्रकृति में पेड़ों का महत्व समझना ।

प्रोक्ति – बालगीत
गतिविधि 5 – बालगीत का वाचन करके आशय समझना और नारे तैयार करना ।
समय : 01 कालांश
प्रक्रिया :-
अनुबद्ध कार्य की जांच करें और सुधार करें ।
पृष्ठ संख्या 13 के बाल गीत के वाचन करने का निर्देश दें । दलों में ताल-लय के साथ आलाप करवायें ।

आओ बच्चो.....
जल, वायु का संरक्षण करें
जल नहीं तो कल नहीं
वायु नहीं तो हम नहीं।
आनेवाली पीढ़ी के लिए
पर्यावरण को बचाएँ।
पेड़ है पर्यावरण का एक अमूल्य वरदान
पेड़-पौधे लगाएँ हज़ार
निभाए प्रकृति के प्रति
अपनी ज़िम्मेदारी

पंक्तियों का आशय समझ कर नारे (Slogans) तैयार करने का निर्देश दें ।
(पृष्ठ संख्या 14)

- तैयार किए गए नारों को दल में परिमार्जन करके प्रस्तुत करें । स्वयं मूल्यांकन का अवसर दें । आपसी मूल्यांकन और अध्यापक का मूल्यांकन भी हो ।

अधिगम उपलब्धियाँ:

- बालगीत सुन-पढ़कर आशय समझता है
- आशयवाली पंक्तियाँ चुनकर लिखता है।
- पंक्तियों का आशय लिखता है।
- नारे लिखता है।

2.बेबसी

प्रोक्ति – कहानी :

गतिविधि 6 – कहानी का वाचन करके आशय समझना और विश्लेषण करना।

समय : 01 कालांश

प्रक्रिया :-

बच्चों आज हम एक चिड़िया की कहानी का शॉर्ट फिल्म देखेंगे ।
प्रवेश प्रक्रिया के रूप में शॉर्ट फिल्म प्रस्तुत करें ।
आप पूछें -

चिड़िया जंगल में कहाँ रहती थी?
उसका घोंसला और बच्चे कैसे नष्ट हो गए?
छात्रों को अपनी-अपनी प्रतिक्रिया प्रकट करने का अवसर दें ।
पृष्ठ संख्या 15 का चित्र वाचन कराएँ और चर्चा चलाएँ ।

आज हम एक कहानी पढ़ेंगे – **बेबसी**

वाचन प्रक्रिया चलाएँ । **(एक थी चिड़िया।..... पानी की एक बूंद भी वह पी नहीं पाई।)**

वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।
दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।

- आशय समझने के लिए पृष्ठ संख्या 18 के शब्दकोश की मदद लेने को कहें ।
- आप कहानी का वाचन करके सुनाएं ।
- आशय की स्पष्टता के लिए आप पूरे दलों से विश्लेषणात्मक प्रश्न करें ।
  - जंगल में क्या काम चल रहा था?
  - चिड़िया क्यों हैरान होकर इधर-उधर घूमने लगी?
  - चिड़िया क्यों नदी के किनारे पहुँची थी?
  - नदी का पानी कैसा था?

प्रश्नों के ज़रिए चर्चा चलाएँ । चर्चा के बाद आप ही कहानी के इस अंश का और एक बार वाचन कर सुनाएँ । वाचन में हाव-भाव,उतार-चढ़ाव, बालाघात आदि पर ध्यान रखें । आवश्यक व्याख्या के साथ संक्षिप्तीकरण दें ।

अनुबद्ध कार्य : विश्लेषणात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखकर आएँ ।

- जंगल में क्या काम चल रहा था?
- चिड़िया क्यों हैरान होकर इधर-उधर घूमने लगी?
- चिड़िया क्यों नदी के किनारे पहुँची थी?
- नदी का पानी कैसा था?

प्रोक्ति – कहानी : 2.बेबसी (ज़ारी)

गतिविधि 7 – कहानी का वाचन करके आशय समझना और विश्लेषण करना ।

समय : 01 कालांश

प्रक्रिया :-

अनुबद्ध कार्य की जांच करें और सुधार करें ।
आप कहें :

बच्चों, पिछले दिन हमने देखा कि 'बेबसी' कहानी की चिड़िया के बच्चों का कोई पता नहीं था और वह हैरान होकर , प्यास से पानी की तलाश में नदी के किनारे पहुंची थी । लेकिन नदी का विषैला बदबूदार पानी वह पी नहीं पाई ।

अब हम कहानी के बाकी भाग से गुजरेंगे । देखें चिड़िया को क्या हुआ होगा?
वाचन प्रक्रिया चलाएँ । (फिर वह उदास होकर..... इस धरती को प्रदूषण से बेहाल कर दिया है।)
वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।
दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।

- आशय समझने के लिए पृष्ठ संख्या 18 के शब्दकोश की मदद लेने को कहें ।
- आप कहानी का वाचन करके सुनाएं ।
- आशय की स्पष्टता के लिए आप पूरे दलों से विश्लेषणात्मक प्रश्न करें ।
- चिड़िया ईश्वर से क्या पूछ रही थी?
- खुद को समझदार समझनेवाला' ऐसा किसके बारे में कहा गया है? क्यों?
- राक्षस के अनुसार किसने धरती को बेहाल कर दिया है?

प्रश्नों के ज़रिए चर्चा चलाएँ । चर्चा के बाद आप ही कहानी के इस अंश का और एक बार वाचन कर सुनाएँ । वाचन में हाव-भाव,उतार-चढ़ाव, बालाघात आदि पर ध्यान रखें । आवश्यक व्याख्या के साथ संक्षिप्तीकरण दें ।

अनुबद्ध कार्य : विश्लेषणात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखकर आएँ ।

- चिड़िया ईश्वर से क्या पूछ रही थी?
- 'खुद को समझदार समझनेवाला' ऐसा किसके बारे में कहा गया है? क्यों?
- राक्षस के अनुसार किसने धरती को बेहाल कर दिया है?

प्रोक्ति – कहानी : 2.बेबसी (ज़ारी)

गतिविधि 8 – कहानी का वाचन करके आशय समझना और विश्लेषण करना ।

समय : 01 कालांश

प्रक्रिया :-

अनुबद्ध कार्य की जांच करें और सुधार करें ।

आप कहें :

बच्चों, हमने देखा कि चिड़िया उदास होकर आसमान की तरफ देखते हुए ईश्वर से प्रार्थना कर रही थी । तब आसमान में एक भयानक ज़ोरदार आवाज के साथ काले बादल छा गए और उनमें एक का मुख रक्षा के जैसे दिखने लगा । वह राक्षस चिड़िया से बोला कि ईश्वर ने इस धरती को खूबसूरती से बनाया है । लेकिन इसे प्रदूषण से बेहाल कर देने में ईश्वर का कोई कसूर नहीं है । ये तो खुद को समझदार समझनेवाले इंसानों की बेवकूफ़ी का नतीजा है ।

आज हम इस कहानी के अंतिम भाग से गुजरेंगे । देखें कि कहानी में आगे क्या हुआ होगा?

वाचन प्रक्रिया चलाएँ । (चिड़िया डरकर बोली..... चिड़िया ने प्राण त्याग दिए।)

वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ । दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।

- आशय समझने के लिए पृष्ठ संख्या 18 के शब्दकोश की मदद लेने को कहें ।
- आप कहानी का वाचन करके सुनाएं ।

आशय की स्पष्टता के लिए आप पूरे दलों से विश्लेषणात्मक प्रश्न करें।

- चिड़िया को क्यों दम घुट रहा था?
- इनसान कैसे प्रदूषण बढ़ा रहा है?
- 'विनाशकारी काले धुएँ की ताकत को मनुष्य बढ़ा रहा है ।' इसके संबंध में आपका विचार प्रकट करें ।

प्रश्नों के ज़रिए चर्चा चलाएँ । चर्चा के बाद आप ही कहानी के इस अंश का और एक बार वाचन कर सुनाएँ । वाचन में हाव-भाव,उतार-चढ़ाव, बालाघात आदि पर ध्यान रखें । आवश्यक व्याख्या के साथ संक्षिप्तीकरण दें ।

संक्षिप्तीकरण करते हुए पूरी कहानी की घटनाओं को छात्रों के सम्मुख प्रस्तुत करें ।

संक्षिप्तीकरण :

'बेबसी' कहानी की चिड़िया के बच्चों का कोई पता नहीं था और वह हैरान होकर , प्यास से पानी की तलाश में नदी के किनारे पहुंची थी । लेकिन नदी का विषैला बदबूदार पानी वह पी नहीं पाई ।

चिड़िया उदास होकर आसमान की तरफ देखते हुए ईश्वर से प्रार्थना कर रही थी । तब आसमान में एक भयानक ज़ोरदार आवाज के साथ काले बादल छा गए और उनमें एक का मुख राक्षस के जैसे दिखने लगा । वह राक्षस चिड़िया से बोला कि ईश्वर ने इस धरती को खूबसूरती से बनाया है । लेकिन इसे प्रदूषण से बेहाल कर देने में ईश्वर का कोई कसूर नहीं है । ये तो खुद को समझदार समझने वाले इंसानों की बेवकूफ़ी का नतीजा है ।

मानव ने ही पेड़-पौधे काटकर और प्रदूषण फैलाकर इस धरती का बेहाल कर दिया है । कारखानों के विषैले वायु से सारा पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है ।

हमें और आने वाली पीढ़ी के लिए इस धरती को बचाना हमारा कर्तव्य है ।

बच्चों, इस कहानी के ज़रिए हम समझ सकते हैं कि पेड़-पौधे ना काटकर इस पर्यावरण को प्रदूषण से बचाएँ । पेड़ पौधे लगाएँ ।प्रदूषण रोकने का काम करें ।

पूरी कहानी की घटनाओं को पेश करने का मौका दो-तीन छात्रों को दें ।

आप चार्ट / स्लाइड/ पट के ज़रिए निम्नांकित कार्य मौखिक रूप से पेश करें । छात्रों से अपनी पुस्तिका में उत्तर लिखवाएँ ।

कहानी की घटनाओं को क्रमबद्ध करके लिखें ।

- आसमान में काले बादल छा गए और उनमें एक मुख-सा रूप-सा लगा।
- राक्षस के इस गर्जन के बीच चिड़िया ने प्राण त्याग दिए।
- पानी की तलाश में चिड़िया नदी के किनारे पहुँची।
- चिड़िया शहर के बाहर जंगल में बच्चों के साथ रहती थी।
- विषैला बदबूदार पानी की एक बूंद भी चिड़िया पी नहीं पाई।
- एक भयानक ज़ोरदार आवाज़ हुई।

अनुबद्ध कार्य : विश्लेषणात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखकर आएँ ।

- चिड़िया को क्यों दम घुट रहा था?
- इनसान कैसे प्रदूषण बढ़ा रहा है?
- 'विनाशकारी काले धुएँ की ताकत को मनुष्य बढ़ा रहा है ।' इसके संबंध में आपका विचार प्रकट करें ।

प्रोक्ति – कहानी : 2.बेबसी (ज़ारी)

गतिविधि 9 – कहानी का वाचन करके आशय समझना और विश्लेषण करना ।

समय : 01 कालांश

प्रक्रिया :-
अनुबद्ध कार्य की जांच करें और सुधार करें ।
आप कहें :
बच्चों, पृष्ठ संख्या 18 लें । प्रश्नों को पढ़ें और उत्तरों को दल में चर्चा करके लिखें ।

- सोचें और बताएँ ।
  1)चिड़िया कहाँ रहती थी?
  [गांव में, जंगल में, शहर में]

  2)चिड़िया नदी के किनारे क्यों पहुँची थी?
  [बच्चों की तलाश में, खाना-चारे की तलाश में, पानी की तलाश में]

  3)आसमान में क्या छा गए थे?
  [काले बादल, सफेद बादल, लाल बादल]

- सोचें और लिखें ।
  1)चिड़िया हैरान होकर इधर-उधर घूमने लगी। क्यों?
  2)चिड़िया ने नदी का पानी क्यों नहीं पिया?
  3)काला धुआँ क्या है? कैसे बनता है?
  हर एक दल से एक-एक प्रस्तुति । आप आवश्यक सुधार का निर्देश दें । आवश्यक हो तो उत्तरों को पट पर लिखकर दें ।

अनुबद्ध कार्य : पृष्ठ संख्या 19 के अभ्यास कार्य करवाएँ ।
समान अर्थवाले शब्द के जोड़े बनाएँ ।
विलोम शब्द पहचानें।

प्रोक्ति – कहानी : 2.बेबसी (ज़ारी)

गतिविधि 10 – पहली और दूसरी कक्षाओं से प्राप्त वर्णमाला संबंधी जानकारी को ताज़ा करना तथा सही शब्द पहचानना ।

समय : 01 कालांश
प्रक्रिया :-
अनुबद्ध कार्य की जांच करें और सुधार करें ।
आप कहें :
बच्चों, पिछली कक्षाओं में आप जान चुके होंगे कि हिंदी वर्णमाला में **स्वर,व्यंजन** और **संयुक्त व्यंजन** - ये तीन प्रकार के वर्ण शामिल है । अब हम उनके बारे में और एक बार फिर चर्चा करेंगे ।

पृष्ठ संख्या 20 लें ।
हर एक की चर्चा करते हुए अभ्यास कार्य करवाएँ । अगर किसी छात्र को वर्णमाला संबंधी सही जानकारी नहीं है,तो उनको आवश्यक निर्देश दें ।

पृष्ठ संख्या 21 का मात्रा वाले शब्दों का परिचय और सही शब्द पहचानकर निशाना लगाने का कार्य वैयक्तिक रूप से करवाएँ ।आवश्यक निर्देश भी दें ।

अनुबद्ध कार्य : पृष्ठ संख्या 22 - अपनी ओर से कुछ कर दिखाएँ ।
बच्चों, हमारे स्कूल के आसपास कई पेड़-पौधे हैं । उनको पहचानें और उनके नाम हिंदी में लिखकर पेड़ों पर चिपकाएँ ।
(आपकी ओर से आवश्यक मदद दें ।)

ध्यान दें कि पाठ्य पुस्तक में दिए गए (पृष्ठ संख्या 22) पेड़ों का चित्र केवल नमूना है । स्कूल के आसपास के पेड़ों का नाम ढूंढ निकाले और उनके नाम लिखने का निर्देश दें ।

2 बड़ा नाम करेगा

इस इकाई में तीन पाठ है । छात्रों को कई प्रकार के पेशों से परिचित कराना तथा समाज सेवा की ओर ध्यान आकृष्ट कराना इस इकाई के पाठ भागों का लक्ष्य है ।

प्रोक्ति - चित्र वाचन

गतिविधि 1 - चित्र वाचन
समय : 02 कालांश
गतिविधियाँ: कक्षा की शुरुआत एक सरल वार्तालाप से करें ।
पृष्ठ संख्या 23 का चित्र दिखाएँ और चित्र वाचन करने का निर्देश दें ।
पूछें - बच्चा बड़ा होकर क्या बनना चाहता है?
चित्र के पेशों का नाम बताएँ ।
संभावित उत्तर : - डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, डाकिया, सैनिक और पुलिस ।

पृष्ठ संख्या 24 का चित्र दिखाएँ और चित्र वाचन करने का निर्देश दें ।
चित्रों को पहचान कर उनके नाम लिखने का निर्देश दें ।

1. वार्म-अप चर्चा:

- बच्चों से पूछें कि क्या उन्होंने कभी अस्पताल का दौरा किया है और उनका अनुभव कैसा रहा।
- बच्चों से पूछें कि उन्हें डॉक्टर, नर्स और सफाई कर्मियों का क्या काम लगता है।

2. चित्र परिचय:

- विभिन्न प्रकार के अस्पतालों, डॉक्टरों, नर्सों, और सफाई कर्मियों के चित्र दिखाएँ।
- प्रत्येक चित्र पर चर्चा करें कि वे लोग क्या कर रहे हैं और उनका कार्य क्यों महत्वपूर्ण है।

3. कहानी सुनाना:

- एक कहानी सुनाएँ जिसमें एक बच्चा बीमार होता है और अस्पताल में डॉक्टर और नर्स की मदद से ठीक हो जाता है।
- कहानी के अंत में बच्चों से पूछें कि उन्होंने कहानी से क्या सीखा।

4. रोल प्ले (भूमिका निभाना):

- बच्चों को छोटे-छोटे दलों में बाँटें और उन्हें डॉक्टर, नर्स, मरीज, और सफाई कर्मी की भूमिका निभाने के लिए कहें।
- इस गतिविधि से बच्चे अस्पताल में काम करने वाले लोगों की जिम्मेदारियों को समझेंगे।

5. चित्रकारी और शिल्प:

- बच्चों से एक अस्पताल का चित्र बनाने के लिए कहें और उन्हें रंगीन कागज और अन्य शिल्प सामग्री का उपयोग करने दें।
- उनके चित्रों में डॉक्टर, नर्स, मरीज, और अस्पताल के अन्य हिस्सों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करें।

6. चिकित्सा उपकरण परिचय:

- कुछ सामान्य चिकित्सा उपकरण जैसे स्टेथोस्कोप, थर्मामीटर, पट्टियाँ आदि का परिचय दें।
- बच्चों को इन उपकरणों को देखने और छूने का मौका दें।

प्रोक्ति - लघु लेख – 1.आओ हम स्वस्थ बनें

गतिविधि 2 - लघु लेख का वाचन करके आशय समझना और विश्लेषण करना ।
समय : 01 कालांश
प्रक्रिया:
आज हम अस्पताल और डॉक्टर के बारे में एक लघु लेख पढ़ेंगे ।
वाचन प्रक्रिया चलाएँ । (**अंग्रेज़ी के हॉस्पिटल शब्द को ..... कई नई समस्याएँ उत्पन्न होंगी।**)
वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।
दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।

- आशय समझने के लिए पृष्ठ संख्या 27 के शब्दकोश की मदद लेने को कहें ।

- आप लघु लेख का वाचन करके सुनाएं ।
- आशय की स्पष्टता के लिए आप पूरे दलों से विश्लेषणात्मक प्रश्न करें ।
- प्रश्नों के ज़रिए चर्चा चलाएँ । चर्चा के बाद आप ही लेख के इस अंश का और एक बार वाचन कर सुनाएँ । वाचन में हाव-भाव,उतार-चढ़ाव, बालाघात आदि पर ध्यान रखें । आवश्यक व्याख्या के साथ संक्षिप्तीकरण दें ।
- **अनुबद्ध कार्य :** विश्लेषणात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखकर आएँ ।

प्रोक्ति - लघु लेख – 1.आओ हम स्वस्थ बनें (ज़ारी)

गतिविधि 3 - लघु लेख का वाचन करके आशय समझना और विश्लेषण करना ।

समय : 01 कालांश

प्रक्रिया:

अनुबद्ध कार्य की जांच करें और सुधार करें ।

वाचन प्रक्रिया चलाएँ । (मानव इतिहास से ही चिकित्सा हमारे जीवन ..... मानव जीवन घोर संकट में पड़ सकता है।)

वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।

दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।

- आशय समझने के लिए पृष्ठ संख्या 27 के शब्दकोश की मदद लेने को कहें ।
- आप लघु लेख का वाचन करके सुनाएं ।
- आशय की स्पष्टता के लिए आप पूरे दलों से विश्लेषणात्मक प्रश्न करें ।
- प्रश्नों के ज़रिए चर्चा चलाएँ । चर्चा के बाद आप ही लेख के इस अंश का और एक बार वाचन कर सुनाएँ । वाचन में हाव-भाव,उतार-चढ़ाव, बालाघात आदि पर ध्यान रखें ।
- **दलों में चर्चा:**

दलों में अस्पताल के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए कहें जैसे कि राजकीय और निजी अस्पताल, डॉक्टर और नर्स की भूमिका आदि।

आवश्यक व्याख्या के साथ संक्षिप्तीकरण दें ।

अनुबद्ध कार्य : विश्लेषणात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखकर आएँ ।

प्रोक्ति - लघु लेख – 1.आओ हम स्वस्थ बनें (ज़ारी)

गतिविधि 4 - लघु लेख का वाचन करके आशय समझना और विश्लेषण करना ।

समय : 02 कालांश

प्रक्रिया

अनुबद्ध कार्य की जांच करें और सुधार करें ।

वाचन प्रक्रिया चलाएँ । (आज की इक्कीसवीं सदी में चिकित्सा ..... कल्याणकारी समाज बना सकते हैं।)

वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।

दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।

- आशय समझने के लिए पृष्ठ संख्या 27 के शब्दकोश की मदद लेने को कहें ।
- आप लघु लेख का वाचन करके सुनाएं ।
- आशय की स्पष्टता के लिए आप पूरे दलों से विश्लेषणात्मक प्रश्न करें ।
- प्रश्नों के ज़रिए चर्चा चलाएँ । चर्चा के बाद आप ही लेख के इस अंश का और एक बार वाचन कर सुनाएँ । वाचन में हाव-भाव,उतार-चढ़ाव, बालाघात आदि पर ध्यान रखें ।
- **सवाल-जवाब सत्र:**
  - बच्चों को उत्साहित करने के लिए उनके सवालों के जवाब दें।
  - बच्चों से प्रश्न पूछें जैसे कि "डॉक्टर क्या करते हैं?", "अस्पताल में कौन-कौन काम करता है?", "हम क्यों अस्पताल जाते हैं?" आदि।

वीडियो क्लिप:

- बच्चों को एक छोटा वीडियो क्लिप दिखाएँ जिसमें अस्पताल का वातावरण और वहाँ के कर्मचारियों का काम दिखाया गया हो।

प्रदर्शन:

बच्चों को अस्पताल की छोटी यात्रा पर ले जाएँ (अगर संभव हो) या फिर एक स्वास्थ्यकर्मी को कक्षा में आमंत्रित करें ताकि वे बच्चों को उनके कार्य के बारे में बता सकें।

प्रश्नावली:

- बच्चों को अस्पताल और उसमें काम करने वाले लोगों के बारे में छोटे-छोटे सवालों का उत्तर देने के लिए प्रश्नावली दें।

पृष्ठ संख्या 27 और 28 के प्रश्नों के उत्तर लिखकर दें ।

गतिविधि 5 -
समय : 01 कालांश
प्रक्रिया :

पृष्ठ संख्या 28 के एक सफल डॉक्टर की विशेषताओं से पदसूर्य की पूर्ति करवाएँ । छात्रों को आवश्यक मदद दें ।
जैसे :-
कर्मनिष्ठ
ईमानदार
प्यार भरा व्यवहार
मरीजों के प्रति सहानुभूति
मरीजों की तकलीफों को समझना
समर्पण भावना
हरएक चित्रों को पहचानकर पेशों का नाम लिखवायें ।
समानार्थक एक शब्द लिखें- (पृष्ठ संख्या 29)
बड़े होकर वे क्या बनना चाहते हैं ? बच्चों को लिखने के लिए प्रोत्साहित करें ।
(पृष्ठ संख्या 29)
वाक्य में सर्वनाम 'मैं' का प्रयोग पहचानने केलिए दिए गए वाक्यों को लिखने का निर्देश दें ।(पृष्ठ संख्या 30)

डाकिया, किसान, शिक्षक इनमें से किसी एक के बारे में पाँच वाक्य लिखवाएँ । आवश्यक मदद दें ।(पृष्ठ संख्या 30)

अधिगम उपलब्धियाँ

- चित्रों का आशय ग्रहण करता है।
- चित्र पहचानकर शब्द लिखता है।
- लघु लेख पढ़कर आशय समझता है ।
- पदसूर्य पूरा करता है ।
- चित्र पहचानकर पेशों के नाम लिखता है ।
- समानार्थक एक शब्द लिखता है ।
- अपनी अभिलाषा के बारे में लिखता है ।
- 'मैं' सर्वनाम का प्रयोग करके वाक्य लिखता है ।
- किसी एक पेशे के बारे में पाँच वाक्य लिखना है ।

2.डॉ. सर्वप्पल्ली राधाकृष्णन

गतिविधि -
समय : 03 कालांश
प्रक्रिया :

डॉ. सर्वप्पल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षाविद और विचारक थे जिन्होंने शिक्षा और राजनीति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका जीवन और विचार शिक्षकों और छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनकी जीवन यात्रा और उनके विचारों को कक्षा में साझा करना तीसरी कक्षा के छात्रों के लिए एक प्रेरणादायक अनुभव हो सकता है।

गतिविधि : जीवनी का वाचन करके आशय समझना और विश्लेषण करना ।
वाचन प्रक्रिया चलाएँ ।
वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।
दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।

- अनुबद्ध कार्य : विश्लेषणात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखकर आएँ।
  - प्रक्रियाएँ: शिक्षक डॉ. राधाकृष्णन के जीवन की संक्षिप्त रूपरेखा देंगे, उनकी शिक्षा, उनके अध्यापन करियर, और उनके राष्ट्रपति बनने तक के सफर के बारे में बताएंगे। इस दौरान, छात्रों को चित्र या स्लाइड शो दिखाया जा सकता है ताकि वे उनके जीवन की घटनाओं को बेहतर तरीके से समझ सकें।
- छात्रों को उनके विचार और प्रश्न साझा करने का मौका दें।
- शिक्षक उनके उत्तरों को सुनकर, और यदि आवश्यक हो, तो सुधार कर सकते है

सारांश और निष्कर्ष:

- प्रक्रियाएँ:
- शिक्षक, डॉ. राधाकृष्णन के मुख्य बिंदुओं का पुनरावलोकन करेंगे, जैसे उनका योगदान, उनके विचार, और उनका शिक्षण दर्शन।
- छात्रों को उन उद्धरणों का अर्थ समझाने के लिए कहें जो पाठ भाग में चर्चा किए गए थे, जैसे "जब हम सोचते हैं कि हम जानते हैं तो हम सीखना बंद कर देते हैं।" और "किताबें वह साधन है जिनके द्वारा हम संस्कृतियों के बीच पुल बनाते हैं।"

पृष्ठ संख्या 34 के शिक्षक दिवस के संदेशों को प्रस्तुत करें ।

पृष्ठ संख्या 35 नमूने के अनुसार छात्रों से शिक्षक दिवस का संदेश देते हुए पोस्टर और बधाई कार्ड तैयार करवाएँ ।

छात्रों को डॉक्टर राधाकृष्णन जी के बारे में ज़्यादा जानकारी प्राप्त करके भाषण तैयार करने तथा कक्षा में प्रस्तुत करने का मौका दें । अध्यापक आवश्यक सुधार करें ।

भाषण एक नमूना दिया गया है।

प्यारे दोस्तों,
आज मैं आपको एक बहुत ही महान व्यक्ति के बारे में बताने जा रहा हूँ, जिनका नाम है डॉ. सर्वप्पल्ली राधाकृष्णन। आप सभी ने सुना होगा कि कुछ लोग इस दुनिया से जाने के बाद भी हमारे दिलों में जिंदा रहते हैं, और डॉ. राधाकृष्णन ऐसे ही एक व्यक्ति थे।

डॉ. राधाकृष्णन भारत के पहले उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति थे। लेकिन उन्हें उनके बड़े पदों से भी ज्यादा उनकी असाधारण शिक्षण क्षमताओं के लिए याद किया जाता है। उन्होंने अपना करियर मद्रास प्रसीडेंसी कॉलेज में शिक्षक के रूप में शुरू किया और फिर देश के कई बड़े विश्वविद्यालयों में पढ़ाया। वे बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति भी रहे।

डॉ. राधाकृष्णन का जन्म तमिलनाडु के तिरुतनी गाँव में 5 सितंबर 1888 को हुआ था। उन्हें बचपन से ही किताबें पढ़ने का बहुत शौक था। उनकी पढ़ाई-लिखाई लुथर्न मिशन स्कूल और मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज में हुई। उनके नाम में "सर्वप्पल्ली" शब्द उनके पूर्वजों के गाँव के नाम से आया था।

भारत की आजादी के बाद, उन्हें संविधान बनाने वाली समिति का सदस्य बनाया गया। शिक्षा और राजनीति में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें भारत के सर्वोच्च सम्मान, "भारत रत्न" से भी नवाजा गया।

डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था कि वे अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने पर बहुत खुश होंगे। इसलिए, उनके सम्मान में हर साल 5 सितंबर को हम शिक्षक दिवस मनाते हैं।

उन्होंने अपना जीवन शिक्षा और ज्ञान को बढ़ाने में लगा दिया। उनका एक बहुत ही सुंदर उद्धरण है, "जब हम सोचते हैं कि हम जानते हैं, तो हम सीखना बंद कर देते हैं।" यह हमें बताता है कि हमें हमेशा सीखते रहना चाहिए।

डॉ. राधाकृष्णन का 17 अप्रैल 1975 को निधन हो गया, लेकिन उनके विचार और उनका योगदान हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेगा।

तो, बच्चों, हमेशा याद रखें कि किताबें हमारे सबसे अच्छे दोस्त होते हैं और हमें हमेशा कुछ नया सीखने के लिए तैयार रहना चाहिए।

धन्यवाद!

3.हमारे सहयोगी

गतिविधि : कविता का वाचन करके आशय समझना और विश्लेषण करना ।
वाचन प्रक्रिया चलाएँ ।
वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।
दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।

परिचय
यह कविता विभिन्न पेशों और उनकी महत्ता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए बहुत ही उपयुक्त है। बच्चों को इन पेशों के बारे में जानकारी देना और उन्हें पहचानने की क्षमता विकसित करना, उनके ज्ञान के विस्तार और समाज के प्रति उनके सम्मान को बढ़ावा देगा।

गतिविधियाँ तीसरी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए बनाई गई हैं, जो सरल और आनंददायक हैं।

गतिविधियाँ :

कक्षा को निम्नलिखित प्रक्रियाओं से रोचक बनाने की कोशिश करें ।

1. पेशों की पहचान
सामग्री: कविता की पंक्तियाँ, चित्रों की फ्लैशकार्ड्स (जैसे किसान, डाकिया, कुम्हार, डॉक्टर, हलवाई, बढ़ई)
प्रक्रिया:
विद्यार्थियों को कविता की पंक्तियों को पढ़ने के लिए कहें।
पंक्तियों के आधार पर पेशे का नाम पहचानने को कहें।
सही उत्तर देने पर संबंधित पेशे का फ्लैशकार्ड दिखाएं और उस पेशे के बारे में संक्षिप्त चर्चा करें।

2. चित्र से पेशे की पहचान
सामग्री: विभिन्न पेशों के चित्र, कागज, पेंसिल, रंगीन पेंसिल
प्रक्रिया:
विद्यार्थियों को विभिन्न पेशों के चित्र दिखाएं।
प्रत्येक चित्र के आधार पर, विद्यार्थियों से पेशे का नाम और उसके कार्य के बारे में लिखने को कहें।
विद्यार्थियों को चित्रों को रंगीन पेंसिल से सजाने के लिए कहें और उनके कार्यों को कक्षा में प्रदर्शित करें।

3. पेशों की मूक अभिनय गतिविधि

सामग्री: कक्षा में खाली जगह

प्रक्रिया:

विद्यार्थियों को समूहों में विभाजित करें।

प्रत्येक समूह को एक पेशे की भूमिका निभाने का काम दें, लेकिन बिना बोले।

अन्य विद्यार्थी मूक अभिनय को देखकर पेशे का अनुमान लगाएं।

कविता का वाचन

विद्यार्थियों को कविता का वाचन करने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे उनकी पढ़ने की क्षमता और शब्दावली में वृद्धि होगी।

स्पष्टीकरण और उदाहरण

हर गतिविधि के पहले कविता की पंक्तियों का अर्थ और उससे संबंधित पेशे की व्याख्या करें। उदाहरण देकर विद्यार्थियों की समझ बढ़ाएं।

इन गतिविधियों के माध्यम से, विद्यार्थी न केवल कविता के माध्यम से विभिन्न पेशों के बारे में सीखेंगे, बल्कि वे इन पेशों की महत्ता और उनके योगदान के प्रति सम्मान भी विकसित करेंगे।

पृष्ठ संख्या 38 के प्रश्नों के उत्तर लिखकर दें।

पृष्ठ संख्या 39 के घर के चीजों का परिचय करवाएँ ,उन्हें बनाने वालों का नाम लिखवाएँ ।

क्रिया का परिचय करवाएँ ।

पृष्ठ संख्या 40 की गतिविधियाँ करवाएँ ।

3 मानव अंतरिक्ष में

इस इकाई में तीन पाठ भाग है । छात्रों में विज्ञान और अंतरिक्ष के प्रति रुचि विकसित कराना इस इकाई के पाठ भागों का लक्ष्य है ।

प्रोक्ति - लघु लेख – 1. अजीब है मंगल ग्रह

गतिविधि - लघु लेख का वाचन करके आशय समझना और विश्लेषण करना ।

मंगल ग्रह हमारे सौरमंडल का एक रोचक और रहस्यमय ग्रह है। इस लेख में मंगल ग्रह के अद्‌त तथ्यों और वैज्ञानिक खोजों के बारे में बताया गया है। तीसरी कक्षा के विद्‌यार्थियों के लिए यह विषय उनकी जिज्ञासा को जगाने और अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने का उत्तम अवसर प्रदान करता है। इस पुस्तिका में प्रस्तुत की गई गतिविधियाँ सरल, मनोरंजक और शैक्षिक हैं, जो बच्चों को मंगल ग्रह के बारे में अधिक जानने में मदद करेंगी।

प्रक्रिया:

वाचन प्रक्रिया चलाएँ

वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।

दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।

कक्षा को निम्नलिखित प्रक्रियाओं से रोचक बनाने की कोशिश करें ।

1. मंगल ग्रह के तथ्य पहचानना

विद्‌यार्थियों को लेख से मंगल ग्रह के प्रमुख तथ्यों को पढ़ने के लिए कहें।

प्रत्येक तथ्य के अनुसार संबंधित चित्रकार्ड दिखाएं।

बच्चों से पूछें कि वे इन तथ्यों को अपने शब्दों में समझाएं।

सही उत्तर देने पर बच्चों को बिंदु प्रदान करें।

2. मंगल ग्रह का मॉडल बनाना

सामग्री: पेंटेड बॉल (मांगल ग्रह के रंग में), कागज, गोंद, रंगीन कागज, कैंची

प्रक्रिया:

विद्‌यार्थियों को एक गेंद को लाल रंग से रंगने के लिए कहें ताकि वह मंगल ग्रह की तरह दिखे।

ग्रह पर मौजूद विशेषताओं जैसे माउंट ओलंपस, घाटियाँ आदि को कागज पर चित्रित करने और मॉडल पर चिपकाने के लिए कहें।

तैयार मॉडल को कक्षा में प्रदर्शित करें और हर बच्चे को उनके मॉडल के बारे में बात करने का अवसर दें।

3. मंगल ग्रह पर जीवन पर चर्चा

सामग्री: प्रश्न सूची, चित्र सामग्री

प्रक्रिया:

बच्चों से पूछें कि वे मंगल ग्रह पर जीवन की कल्पना करते हैं तो वहाँ क्या हो सकता है।

समूह में चर्चा करें और बच्चों के विचारों को एक बोर्ड पर लिखें।

वैज्ञानिकों द्वारा मंगल ग्रह पर जीवन की खोज के प्रयासों के बारे में संक्षेप में बताएं।

4. मंगल ग्रह की दिन और वर्ष

सामग्री: समय सारिणी, चार्ट पेपर, रंगीन मार्कर्स

प्रक्रिया:

पृथ्वी और मंगल ग्रह के दिन और वर्ष की तुलना करें।

बच्चों को चार्ट बनाने के लिए कहें जिसमें दोनों ग्रहों के दिनों और वर्षों की लंबाई दिखे।

चार्ट को रंगीन मार्कर्स से सजाएं और कक्षा में प्रदर्शित करें।

5. मंगल ग्रह पर सांस लेने की चुनौतियाँ

सामग्री: वायुमंडल के चित्र, ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड के आइकन

प्रक्रिया:

बच्चों को मंगल ग्रह के वायुमंडल के बारे में बताएं।

समझाएं कि वहाँ की वायुमंडल में क्यों सांस लेना कठिन है।

बच्चों से पूछें कि अगर वे मंगल ग्रह पर जाएं तो वे कैसे सांस लेंगे।

उनके विचारों को साझा करें और सही जानकारी प्रदान करें।

6. मंगल ग्रह पर रहने के लिए आवश्यक चीजें

सामग्री: चित्रकार्ड्स (रेडियो तरंग, स्पेस सूट, स्पेस स्टेशन आदि)

प्रक्रिया:

बच्चों को बताएं कि मंगल ग्रह पर रहने के लिए किन-किन चीजों की आवश्यकता होती है।

प्रत्येक आवश्यक वस्तु के चित्रकार्ड को दिखाएं और उसका विवरण दें।

बच्चों से पूछें कि वे इनमें से कौन सी चीज सबसे महत्वपूर्ण समझते हैं और क्यों।

7. मंगल ग्रह पर यात्रा की योजना बनाना

सामग्री: कागज, पेन, रंगीन पेंसिल

प्रक्रिया:

बच्चों को एक कल्पनिक मंगल ग्रह यात्रा की योजना बनाने के लिए कहें।

उन्हें यात्रा के दौरान किन-किन चीजों की आवश्यकता होगी, इसके बारे में सोचने के लिए प्रेरित करें।

उनकी योजनाओं को चित्रित करने और प्रस्तुत करने का अवसर दें।

1. सामग्री की तैयारी

सभी आवश्यक सामग्री को पहले से तैयार रखें ताकि कक्षा में गतिविधियों के दौरान कोई समस्या न हो।

2. लेख का परिचय

विद्यार्थियों को "अजीब है मंगल ग्रह" लेख का संक्षिप्त परिचय दें। उन्हें बताएं कि यह मंगल ग्रह के बारे में है और इसमें क्या-क्या रोचक बातें हैं।

3. पाठ का वाचन और समझाना

लेख को बच्चों के साथ पढ़ें और प्रत्येक खंड का सरल भाषा में अर्थ समझाएं। कठिन शब्दों को समझाने के लिए उदाहरण दें।

4. गतिविधियों का चयन और क्रमबद्धता

प्रत्येक गतिविधि को क्रमबद्ध तरीके से प्रस्तुत करें ताकि बच्चों की समझ में आसानी हो। गतिविधियों के बीच छोटे-छोटे ब्रेक भी रखें।

5. निर्देश देना

प्रत्येक गतिविधि के लिए स्पष्ट और सरल निर्देश दें ताकि विद्यार्थी आसानी से समझ सकें और भाग ले सकें।

6. सहायता और मार्गदर्शन

बच्चों को गतिविधियों के दौरान सहायता प्रदान करें। उन्हें प्रोत्साहित करें और उनकी समस्याओं का समाधान करें।

7. प्रदर्शन और सराहना

सभी गतिविधियों के बाद बच्चों के कार्यों को कक्षा में प्रदर्शित करें। उनकी मेहनत और रचनात्मकता के लिए सराहना करें।

8. फीडबैक और पुनरावलोकन

प्रत्येक गतिविधि के बाद बच्चों से फीडबैक लें। उनकी समझ को बेहतर बनाने के लिए आवश्यकतानुसार पुनरावलोकन करें।

निष्कर्ष

इन गतिविधियों के माध्यम से, विद्यार्थी न केवल मंगल ग्रह के बारे में जानेंगे, बल्कि वे अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति अपनी रुचि और समझ को भी विकसित करेंगे। यह पुस्तिका शिक्षकों को रचनात्मक और प्रभावी ढंग से शिक्षण करने में मदद करेगी, जिससे बच्चों का ज्ञानवर्धन होगा और वे अधिक जागरूक और उत्साही बनेंगे।

अनुबद्ध कार्य : विश्लेषणात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखकर आएँ ।

पृष्ठ संख्या 47 के प्रश्नों के उत्तर लिखकर दें।

सही मिलान करें। (पृष्ठ संख्या 47)

पृष्ठ संख्या 48 : मंगल ग्रह की विशेषताओं से गोल दायरा भरें।

मंगल ग्रह की विशेषताओं के बारे में टिप्पणी लिखें।

प्रक्रिया : पाठ भाग के आधार पर गोल दायरे में मंगल ग्रह की विशेषताओं को चुनकर लिखने का निर्देश दें ।इस की मदद से मंगल ग्रह की विशेषताओं के बारे में टिप्पणी लिखवाएँ ।

2.मैं पृथ्वी हूँ

प्रोक्ति : कविता

कविता का परिचय

यह कविता पृथ्वी के विभिन्न पहलुओं और उसके रहस्यमय स्वभाव का सरल और सजीव वर्णन करती है। विद्यार्थियों के लिए इस कविता के आधार पर तैयार की गई गतिविधियाँ उनकी कल्पना शक्ति, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, और विज्ञान की बुनियादी समझ को प्रोत्साहित करेंगी।

प्रक्रिया

1. कविता का प्रारंभिक परिचय

कक्षा में कविता का परिचय दें और बच्चों को यह समझाने के लिए सरल शब्दों में कविता का भावार्थ बताएं।

2. सृजनात्मकता को बढ़ावा

बच्चों को अपनी सृजनशीलता व्यक्त करने के लिए प्रेरित करें। प्रत्येक गतिविधि को बच्चों के लिए रोचक और आकर्षक बनाएं ताकि वे इसे पूरी रुचि के साथ करें।

3. प्रश्नोत्तरी और चर्चा

कविता के हर अंश के बाद बच्चों से सरल प्रश्न पूछें और उनके उत्तरों पर चर्चा करें ताकि वे कविता के भाव को अच्छी तरह समझ सकें।

4. प्रदर्शन और सराहना
प्रत्येक गतिविधि के बाद बच्चों की मेहनत और सृजनशीलता की सराहना करें। उनके द्वारा बनाए गए मॉडल, चित्र, और गीत को कक्षा में प्रदर्शित करें।

5. समूह कार्य और सहयोग
बच्चों को समूहों में कार्य करने के लिए कहें ताकि वे एक-दूसरे से सीख सकें और सहयोग की भावना विकसित हो।

6. अंतिम चर्चा और निष्कर्ष
कक्षा के अंत में, पृथ्वी के बारे में बच्चों से चर्चा करें और निष्कर्ष निकालें कि वे पृथ्वी की देखभाल कैसे कर सकते हैं।

इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों को प्रकृति और पृथ्वी के प्रति जागरूक बनाएंगी और उनकी सृजनात्मकता को बढ़ावा देंगी।

निम्नलिखित गतिविधियों के ज़रिए कक्षा को और भी आकर्षक बना सकते हैं और छात्रों में रुचि पैदा कर सकते हैं ।

गतिविधियाँ :
1.गीत और गायन: 'पृथ्वी का गीत'
सामग्री: कविता की पंक्तियाँ, संगीत

प्रक्रिया:
1.कविता की पंक्तियों को संगीत के साथ जोड़कर एक सरल गीत बनाएं।
2.बच्चों को समूह में इस गीत को गाने के लिए कहें।
3.गीत को गायन के बाद बच्चों के साथ कविता के अर्थ पर चर्चा करें।

2.रोल प्ले: 'पृथ्वी के तत्व'
सामग्री: सरल वेशभूषा, एक स्थान
प्रक्रिया:
कविता के विभिन्न तत्वों (जैसे सूरज, पहाड़, नदी, फूल) को भूमिका निभाने के लिए बच्चों को चयनित करें।
बच्चों को इन भूमिकाओं को निभाने के लिए तैयार करें, जिसमें वे बताते हैं कि वे पृथ्वी के कौन से हिस्से हैं और उनकी क्या खासियत है।
रोल प्ले के बाद सभी बच्चों के प्रदर्शन पर चर्चा करें और सराहना करें।

3.कविता का पाठ और समझ: 'पृथ्वी की कहानी'
सामग्री: कविता की पुस्तक या प्रिंटेड शीट्स
प्रक्रिया:
कविता को शिक्षक द्वारा जोर से पढ़ाया जाए, जिससे बच्चे सुनकर कविता को समझ सकें।
पढ़ने के बाद, बच्चों से सरल प्रश्न पूछें जैसे:
1.पृथ्वी क्या करती है?
2.पृथ्वी पर कितने समुंदर हैं?
3.पृथ्वी का रंग कैसा है?
बच्चों से कविता की पंक्तियों को याद करवाएं और उनके अर्थ को समझाएं।

अनुबद्ध कार्य : विश्लेषणात्मक प्रश्नों के उत्तर कक्षा संचालन के अनुसार लिखकर आने का निर्देश दें । ।
विलोम शब्दों का सही मिलान (पृष्ठ संख्या 51)
पृष्ठ संख्या 52 के प्रश्नों के उत्तर लिखकर दें।
पढ़ित कविता के आधार पर वृथ्वीं के बारे में कुछ पंक्तियां लिखकर शीर्षक देने का निर्देश दें । (पृष्ठ संख्या 52)

3.जिन्होंने मानव के लिए राह बनाई

प्रोक्ति : निबंध

परिचय
इस छोटे निबंध के माध्यम से बच्चों को अंतरिक्ष यात्रा के इतिहास और उन मूक प्राणियों के बलिदान के बारे में बताया जाता है जिन्होंने मानव के लिए अंतरिक्ष की राह आसान बनाई। तीसरी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए इस निबंध के आधार पर तैयार की गई गतिविधियाँ उनकी जिज्ञासा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, और

गतिविधि : निबंध का वाचन करके आशय समझना और विश्लेषण करना ।
प्रक्रिया:
वाचन प्रक्रिया चलाएँ
वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।
दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।

कक्षा को निम्नलिखित प्रक्रियाओं से रोचक बनाने की कोशिश करें ।
1. निबंध का प्रारंभिक परिचय
कक्षा में निबंध का परिचय दें और बच्चों को सरल शब्दों में निबंध का सारांश समझाएं।

2. संवेदनशीलता और सहानुभूति को बढ़ावा
बच्चों को अंतरिक्ष यात्रा में मूक प्राणियों के योगदान के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए प्रेरित करें।

3. प्रश्नोत्तरी और चर्चा
निबंध के प्रत्येक अंश के बाद बच्चों से सरल प्रश्न पूछें और उनके उत्तरों पर चर्चा करें ताकि वे निबंध की कहानी और उसकी भावना को समझ सकें।

4. प्रदर्शन और सराहना
प्रत्येक गतिविधि के बाद बच्चों की मेहनत और सृजनशीलता की सराहना करें। उनके द्वारा बनाए गए चित्र, मॉडल, और नाटक को कक्षा में प्रदर्शित करें।

5. समूह कार्य और सहयोग
बच्चों को समूहों में कार्य करने के लिए कहें ताकि वे एक-दूसरे से सीख सकें और टीम वर्क की भावना विकसित हो।

6. अंतिम चर्चा और निष्कर्ष
कक्षा के अंत में, मूक प्राणियों के बलिदान के बारे में बच्चों से चर्चा करें और निष्कर्ष निकालें कि वे इन प्राणियों के योगदान को कैसे याद रख सकते हैं।
इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों को अंतरिक्ष यात्रा और उसमें शामिल प्राणियों के बलिदान के प्रति जागरूक बनाएंगी और उनकी वैज्ञानिक समझ को विकसित करेंगी।

निम्नलिखित गतिविधियों के ज़रिए कक्षा को और भी आकर्षक बना सकते हैं और छात्रों में रुचि पैदा कर सकते हैं ।
गतिविधियाँ :
1. चित्रकला गतिविधि: 'अंतरिक्ष के मूक नायक'
सामग्री: कागज, रंगीन पेंसिल, पेंट्स
प्रक्रिया:
बच्चों को निबंध में वर्णित मूक प्राणियों जैसे लाइका, गोर्डो, स्ट्रेल्का, और अन्य का परिचय दें।
बच्चों से कहें कि वे उन प्राणियों का चित्र बनाएं जो अंतरिक्ष यात्रा पर गए थे।
चित्र बनाने के बाद बच्चों से उनके चित्र के बारे में कुछ शब्दों में वर्णन करवाएं, ताकि वे अपने चित्र के माध्यम से निबंध की जानकारी को फिर से समझ सकें।

2. कहानी सुनाना: 'लाइका की कहानी'
सामग्री: कहानी की पंक्तियाँ, चित्रों का उपयोग
प्रक्रिया:
निबंध से लाइका की कहानी को सरल शब्दों में सुनाएं, और साथ में चित्रों का उपयोग करें।
कहानी सुनाने के बाद बच्चों से कुछ प्रश्न पूछें जैसे:
1.लाइका कौन थी?
2.उसे कहाँ भेजा गया था?
3.लाइका की क्या भूमिका थी?
बच्चों को कहानी सुनाने के बाद अपने विचार साझा करने के लिए प्रेरित करें।

3. क्लास डिस्कशन: 'अंतरिक्ष यात्रा के मूक साथी'
सामग्री: निबंध की प्रति
प्रक्रिया:
निबंध को शिक्षक द्वारा , जिससे बच्चे सुनकर आशय को समझ सकें।
बच्चों से निबंध के विभिन्न अंशों पर चर्चा करें और उनसे सरल प्रश्न पूछें जैसे:
1.अंतरिक्ष में सबसे पहले कौन गया था?
2.गोर्डो और हैम कौन थे?
3.इन प्राणियों ने मानव के लिए क्या किया?
बच्चों को अपनी राय व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें।

4. मेमोरी गेम: 'अंतरिक्ष के नायक'
सामग्री: प्राणियों के नाम और चित्र
प्रक्रिया:
निबंध में वर्णित प्राणियों के नाम और उनके चित्र बनाकर एक मेमोरी गेम तैयार करें।
बच्चों को एक-एक कर प्राणियों के नाम और उनके चित्र मिलाने के लिए कहें।
खेल के दौरान बच्चों से इन प्राणियों के बारे में बात करें ताकि वे निबंध को बेहतर तरीके से याद कर सकें।
अनुबद्ध कार्य : विश्लेषणात्मक प्रश्नों के उत्तर कक्षा संचालन के अनुसार लिखकर आने का निर्देश दें । ।
पृष्ठ संख्या 57 के प्रश्नों के उत्तर लिखकर दें।
देशों के नामों के साथ अंतरिक्ष में पहुँचे जानवरों को जोड़कर लिखें। (पृष्ठ संख्या 58)
अंतरिक्ष यान के साथ भेजे गए वर्षों का सही मिलान करें। (पृष्ठ संख्या 58)
(उपर्युक्तकार्य को पाठ भाग के आधार पर छात्रों से लिखने का निर्देश दें ।)

प्रक्रिया : पत्र लेखन

पाठ भाग के आधार पर मूक प्राणियों की अंतरिक्ष यात्रा के बारें में अपने मित्र के नाम पत्र लिखें । (पृष्ठ संख्या 58)
छात्रों के स्तरानुकूल पत्र लेखन की प्रक्रिया चलाएं ।
पत्र की रूपरेखा और पत्र लिखते समय ध्यान देने वाली बातों पर चर्चा करें ।

(पृष्ठ संख्या 59)

सर्वनाम और प्रत्यय के बारे में चर्चा चलाएं ।
सर्वनाम और विभक्ति प्रत्ययों के मेल को समझाएं ।
पाठ्य पुस्तक की तालिका को पढ़कर समझने का निर्देश दें । (पृष्ठ संख्या 60)

4 प्रकृति तो उपहार है

इस इकाई में चार पाठ भाग है । छात्रों में प्रकृति प्रेम की भावना को जगाना, प्रकृति की अनमोल देन के बारे में महसूस कराना आदि इस इकाई के पाठ भागों का लक्ष्य है ।

1.झुकना सीखो

प्रोक्ति : कहानी

परिचय

इस कहानी में प्रकृति के माध्यम से विद्यार्थियों को विनम्रता, अहंकार से बचने और परिस्थितियों के अनुसार झुकने की कला के महत्व के बारे में बताया जाता है। कहानी सरल और शिक्षाप्रद है, जिससे बच्चों को यह समझने में मदद मिलती है कि अहंकार और अकड़ का परिणाम हमेशा अच्छा नहीं होता, जबकि विनम्रता और लचीलेपन से जीवन में चुनौतियों का सामना किया जा सकता है।

गतिविधि: कहानी का वाचन करके आशय समझना और विश्लेषण करना ।
प्रक्रिया:
वाचन प्रक्रिया चलाएँ
वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।
दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।
कक्षा को निम्नलिखित प्रक्रियाओं से रोचक बनाने की कोशिश करें ।

प्रक्रिया:

1. कहानी का प्रारंभिक परिचय

शिक्षक कहानी का परिचय देंगे और विद्यार्थियों को इस के बारे में बताएंगे कि किस तरह बाँस का पौधा विनम्रता और लचीलापन दर्शाता है।

2. कहानी की नैतिकता पर जोर

कहानी के अंत में, शिक्षक बच्चों से कहानी की नैतिकता पर चर्चा करेंगे और उन्हें बताएंगे कि जीवन में विनम्रता और लचीलेपन का क्या महत्व है।

3. प्रश्नोत्तरी और चर्चा

कहानी के प्रत्येक महत्वपूर्ण हिस्से के बाद बच्चों से सरल प्रश्न पूछे जाएंगे ताकि वे कहानी को और अच्छी तरह से समझ सकें।

4. प्रदर्शन और सराहना

कक्षा में बच्चों के द्वारा बनाई गई चित्रकला, भूमिका निभाने और लिखी गई कहानियों को प्रदर्शित किया जाएगा और उनकी सृजनशीलता की प्रशंसा की जाएगी।

5. दल कार्य और सहयोग

बच्चों को दल में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि वे एक-दूसरे से सीख सकें और कहानी की नैतिकता को गहराई से समझ सकें।

6. अंतिम चर्चा और निष्कर्ष

कक्षा के अंत में, विनम्रता और लचीलापन के महत्व के बारे में बच्चों से अंतिम चर्चा की जाएगी और कहानी के नैतिक पाठ को समझने में उनकी सहायता की जाएगी।

इस प्रकार की गतिविधियाँ और प्रक्रियाएँ बच्चों को कहानी की नैतिकता को गहराई से समझने में मदद करेंगी और उन्हें जीवन में विनम्र और लचीला बनने के लिए प्रेरित करेंगी।

निम्नलिखित गतिविधियों के ज़रिए कक्षा को और भी आकर्षक बना सकते हैं और छात्रों में रुचि पैदा कर सकते हैं ।

गतिविधियाँ:

1. चित्रकला गतिविधि: 'झुकता हुआ बाँस और टूटता हुआ जामुन'

सामग्री: कागज, रंगीन पेंसिल, क्रेयॉन्स

प्रक्रिया:

बच्चों को कहानी के आधार पर बाँस और जामुन के पेड़ का चित्र बनाने के लिए कहें।

चित्र में बाँस के पौधे को तूफान के दौरान झुकता हुआ और जामुन के पेड़ को टूटता हुआ दिखाने के लिए कहें।

बच्चों से उनके चित्रों के बारे में चर्चा करें और उन्हें समझाएं कि किस तरह बाँस की विनम्रता और लचीलापन उसे बचा लेता है।

2. कहानी सुनाना: 'अहंकार और विनम्रता'

सामग्री: कहानी की पंक्तियाँ, चित्रों का उपयोग

प्रक्रिया:

बच्चों को कहानी सुनाएं और उसमें जामुन के पेड़ और बाँस के पौधे के संवादों को जोर देकर पढ़ें।

कहानी सुनाने के बाद, बच्चों से पूछें:

1.जामुन के पेड़ को क्या हुआ?

2.बाँस का पौधा क्यों बच गया?

3.कहानी से हमने क्या सीखा?

बच्चों से चर्चा करें कि विनम्रता और लचीलेपन का क्या महत्व है और अहंकार का क्या परिणाम हो सकता है।

3. दल चर्चा: 'विनम्रता और लचीलापन'

सामग्री: कक्षा में बैठने की व्यवस्था

प्रक्रिया:

1.बच्चों को दो दलों में बांटें और उनसे जामुन के पेड़ और बाँस के पौधे के दृष्टिकोण पर चर्चा करने के लिए कहें।

2.एक दल जामुन के पेड़ की तरह सोचकर तर्क देगा, और दूसरा दल बाँस के पौधे की तरह।

3.चर्चा के बाद, शिक्षक बच्चों को यह समझाएं कि विनम्रता और लचीलेपन का क्या महत्व है।

4. शब्दावली निर्माण: 'कहानी के शब्द'

सामग्री: फ्लैशकार्ड्स, बोर्ड, चॉक

प्रक्रिया:

1.कहानी में आए महत्वपूर्ण शब्द जैसे 'झुकना', 'अहंकार', 'तूफान', 'लचीलापन' आदि को फ्लैशकार्ड्स पर लिखें।

2.इन शब्दों का मतलब और उनका प्रयोग उदाहरण के साथ समझाएं।

3.बच्चों से कहें कि वे इन शब्दों का उपयोग कर छोटे वाक्य बनाएं और उन्हें कक्षा में साझा करें।

5. कहानी का पुनर्लेखन: 'मेरी कहानी'

सामग्री: कागज, पेंसिल

प्रक्रिया:

1.बच्चों को इस कहानी के आधार पर अपनी खुद की छोटी कहानी लिखने के लिए प्रेरित करें।

2.उन्हें समझाएं कि वे अपनी कहानी में किसी अन्य पेड़ या पौधे को शामिल कर सकते हैं और उसे अपनी कहानी का पात्र बना सकते हैं।

3.बच्चों की कहानियों को कक्षा में पढ़कर सुनाएं और उनकी सृजनशीलता की सराहना करें।

अनुबद्ध कार्य: विश्लेषणात्मक प्रश्नों के उत्तर कक्षा संचालन के अनुसार लिखकर आने का निर्देश दें ।

समान अर्थ वाले शब्दयुग्म, भिन्न अर्थ वाले शब्दयुग्म, पर्यायवाची शब्द इन बातों पर चर्चा चलाएँ । पाठ्य पुस्तक में दी गई उदाहरणों के आधार पर लिखने का निर्देश दें । (पृष्ठ संख्या 66)

साथ प्रयुक्त होकर समान अर्थ देनेवाले शब्दयुग्मों को पाठभाग से चुनकर लिखें। (पृष्ठ संख्या 66)

साथ प्रयुक्त होकर भिन्न अर्थ देनेवाले शब्दयुग्मों को पाठभाग से चुनकर लिखें। (पृष्ठ संख्या 66)

पर्यायवाची शब्दों को चुनकर लिखें। (पृष्ठ संख्या 66)

पृष्ठ संख्या 67 के प्रश्नों के उत्तर लिखकर दें।

घटनाओं को क्रमानुसार लिखें । (पृष्ठ संख्या-67)

(कहानी का आशय समझने के बाद छात्र यह कार्य कर सकते हैं ।)

2.शेर का चित्र (कविता)

- रामनरेश त्रिपाठी

कविता का सारांश: 'शेर का चित्र' - इस कविता में एक चित्रकार की सूझ-बूझ और उसकी चतुराई का वर्णन किया गया है। कविता यह सिखाती है कि कठिन परिस्थितियों में भी दिमाग से काम लेना चाहिए।

गतिविधि: कविता का वाचन करके आशय समझना और विश्लेषण करना।

प्रक्रिया:

वाचन प्रक्रिया चलाएँ।

वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ।

दलों में विचार विनिमय का मौका दें।

कक्षा को निम्नलिखित प्रक्रियाओं से रोचक बनाने की कोशिश करें।

1.कविता पाठ और समझ:

प्रारंभिक चर्चा: बच्चों से शेर और चित्रकार के बारे में बात करें। चित्रकार क्या करते हैं? शेर को देखकर चित्रकार की क्या प्रतिक्रिया हो सकती है?

कविता का पाठ: कविता को शिक्षक द्वारा पढ़ा जाए। बच्चों को लय के साथ कविता सुनने और समझने के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दार्थ: कठिन शब्दों का अर्थ समझाएँ जैसे कि 'यमराज का मित्र', 'उकडूँ-मुकडूँ', 'झुंझलाहट' आदि।

2.कहानी का सार:

बच्चों को सरल शब्दों में कविता की कहानी समझाने के लिए कहा जाए। इसके बाद, शिक्षक उन्हें कविता का सारांश समझाएँ।

3.प्रश्न-उत्तर: कहानी के अनुसार बच्चों से प्रश्न पूछे जाएँ, जैसे:

1.चित्रकार कहाँ चित्र बना रहा था?

2.शेर को देखकर चित्रकार ने क्या किया?

3.चित्रकार कैसे बच निकला?

4.रचनात्मक गतिविधि:

चित्र बनाना: बच्चों को शेर और चित्रकार के दृश्य का चित्र बनाने के लिए कहा जाए।

5.कहानी पूर्ण करें: बच्चों से पूछें कि अगर वे चित्रकार होते तो शेर से कैसे बचते? उनकी प्रतिक्रियाओं के आधार पर कहानी को पूरा करने के लिए कहा जाए।

6.नैतिक शिक्षा:

कविता के अंत में बच्चों से पूछें कि उन्होंने इस कविता से क्या सीखा? शिक्षक बच्चों को कविता की शिक्षा समझाएँ कि बुद्धिमानी से काम लेना, किसी भी समस्या का हल निकाल सकता है।

7.दल चर्चा:

अनुभव साझा करें: बच्चों को अपने अनुभवों के बारे में बताने के लिए कहा जाए जब उन्हें भी कभी डर लगा हो और उन्होंने उस स्थिति का कैसे सामना किया।

8.कविता-शिक्षा का उद्देश्य:

बच्चों को कविता के माध्यम से हिंदी भाषा की समझ बढ़ाने के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता और आत्म-विश्वास को भी प्रोत्साहित करना है।

अनुबद्ध कार्य:

एक शब्द के लिए अनेक शब्द लिखें। (पृष्ठ संख्या 70)

उदाहरणः मूर्तिकार: मूर्ति बनाने वाला।

पंक्तियों को क्रमानुसार लिखें। (पृष्ठ संख्या 71)

(कविता की पंक्तियों का क्रम समझकर लिखने का निर्देश दें।)

पृष्ठ संख्या 71 के प्रश्नों के उत्तर लिखकर दें।

कहानी लिखें।

इस कविता को कहानी के रूप में लिखें। (पृष्ठ संख्या 71)

इस कविता में शेर और चित्रकार की कहानी निहित है। कविता को कहानी के रूप में बदलकर लिखने का मदद दें।

कहानी: चित्रकार और शेर

एक बार की बात है, एक चित्रकार एक सुनसान जगह पर बैठकर बहुत सुंदर चित्र बना रहा था। उसने अपने चित्र में नदी, पहाड़, पेड़, और पत्तों को बहुत सुंदर तरीके से बनाया था। लेकिन तभी, वहाँ एक शेर आ गया। शेर को देखकर चित्रकार का दिल तेज़ी से धड़कने लगा और उसकी सारी हिम्मत जवाब देने लगी। उसके हाथ से ब्रश गिर गया, और वह डर के मारे काँपने लगा।

लेकिन फिर उसने खुद को संभाला और धीरे-धीरे शेर की ओर देखा। चित्रकार ने सोचा कि उसे कुछ करना चाहिए, नहीं तो शेर उसे खा जाएगा। उसने शेर से कहा, "अरे जंगल के राजा! आप यहाँ बैठ जाइए, मैं आपका एक बहुत सुंदर चित्र बनाता हूँ।"

शेर को यह बात अच्छी लगी और वह आराम से बैठ गया। चित्रकार शेर की तरफ देखता रहा, जैसे वह उसका चित्र बना रहा हो। शेर भी बहुत ध्यान से उसे देखने लगा।

कुछ समय बाद चित्रकार ने कहा, "शेर महाराज, आपका चित्र

लगभग तैयार है। अब कृपया अपनी पीठ मेरी ओर कर लीजिए ताकि मैं आपकी पीठ का भी चित्र बना सकूँ।" शेर ने उसकी बात मान ली और पीठ घुमाकर बैठ गया।

जैसे ही शेर ने अपनी पीठ घुमाई, चित्रकार धीरे-धीरे पीछे हटने लगा। उसने चुपके से पास में खड़ी नाव की ओर दौड़ लगाई, जो झील किनारे बँधी हुई थी। वह जल्दी से नाव में बैठा और नाव को दूर-दूर तक चलाने लगा। जब शेर को यह एहसास हुआ कि चित्रकार उसे धोखा देकर भाग गया है, तो वह बहुत गुस्सा हुआ।

शेर ने चिल्लाकर कहा, "अरे चित्रकार! तू बहुत डरपोक निकला। कम से कम अपनी कलम और कागज़ तो ले जा!" चित्रकार ने हँसते हुए जवाब दिया, "आप ही अपने पास रखिए, अब आप ही जंगल में चित्र बनाना और अभ्यास करना।"

इस तरह चित्रकार अपनी चतुराई से शेर से बचकर निकल गया।

सीख: इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि कभी-कभी समझदारी और चतुराई से काम लेने पर हम किसी भी मुश्किल स्थिति से बाहर निकल सकते हैं।

3.समीर हूँ मैं (लघु लेख)

उद्देश्य:

- **पाठ की गहरी समझ:** बच्चों को वायु के महत्व और उसके विभिन्न उपयोगों के बारे में गहराई से समझाना।
- **सृजनात्मकता और रचनात्मकता:** बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना और उनकी सोचने-समझने की क्षमता को बढ़ावा देना।
- **प्रायोगिक अनुभव:** बच्चों को वायु के बारे में विभिन्न प्रयोगों और गतिविधियों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव देना।
- **पर्यावरण जागरूकता:** बच्चों में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ वायु की महत्ता के प्रति जागरूकता बढ़ाना।

गतिविधि: लघु लेख का वाचन करके आशय समझना और विश्लेषण करना।

प्रक्रिया:

वाचन प्रक्रिया चलाएँ।

वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ।

दलों में विचार विनिमय का मौका दें।

कक्षा को निम्नलिखित प्रक्रियाओं से रोचक बनाने की कोशिश करें।

1.पाठ की समझ और चर्चा

- **दल चर्चा:** बच्चों से पाठ के बारे में प्रश्न पूछें, जैसे "वायु का महत्व क्या है?" और "वायु हमारे जीवन में कैसे मदद करती है?"। इससे बच्चों को वायु के महत्व को समझने में मदद मिलेगी।
- **कहानी सुनाना:** शिक्षक बच्चों को कहानी सुनाएं और उनसे वायु के बारे में उनके अनुभव पूछें, जैसे "तुमने कभी तेज हवा को महसूस किया है?" या "क्या तुमने कभी पेड़ों को हवा में झूमते देखा है?"

2. गतिविधियाँ

- **चित्र बनाना:** बच्चे वायु से संबंधित चित्र बना सकते हैं, जैसे पेड़, बादल, या उड़ते हुए पतंगे। इससे बच्चों की रचनात्मकता बढ़ेगी और वे वायु के महत्व को चित्र के माध्यम से व्यक्त कर पाएंगे।
- **पवनमिल का मॉडल बनाना:** शिक्षक बच्चों को पेपर और स्ट्रॉ की मदद से पवनमिल (विंडमिल) बनाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इससे बच्चों को वायु के उपयोग का एक उदाहरण समझ में आएगा।

3. प्रायोगिक गतिविधियाँ

- **कागज़ का पंखा बनाना:** बच्चों से कागज़ का पंखा बनाने को कहें और फिर उसे हिलाकर वायु का अनुभव कराएं। इससे बच्चे वायु की गति और उसके प्रभाव को महसूस कर सकेंगे।
- **गुब्बारे का प्रयोग:** एक गुब्बारे को फुलाकर छोड़ें और बच्चों से पूछें कि हवा ने गुब्बारे को कैसे उड़ाया। इससे वायु के दबाव और उसके बल को समझने में मदद मिलेगी।

4. भाषा और लेखन कौशल

- **कहानी लिखना:** बच्चे खुद से एक छोटी कहानी लिख सकते हैं जिसमें वायु का महत्वपूर्ण भूमिका हो। जैसे, एक बच्चे की कहानी जो वायु की मदद से एक पतंग उड़ाता है।
- **कविता बनाना:** शिक्षक बच्चों से वायु के बारे में सरल शब्दों में एक कविता लिखने को कह सकते हैं। इससे बच्चों की भाषा और सृजनात्मकता में सुधार होगा।

5. शब्दावली निर्माण

नए शब्द: पाठ से जुड़े कुछ नए शब्द, जैसे "वायु", "समीर", "पवन",

"श्वास", आदि बच्चों को सिखाएं और इन शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करने के लिए कहें।

6.पर्यावरण सुरक्षा पर चर्चा: बच्चों से बात करें कि वायु को कैसे स्वच्छ और शुद्ध रखा जा सकता है। बच्चों को यह सिखाएं कि पेड़-पौधों का संरक्षण कैसे वायु की गुणवत्ता को बनाए रखने में मदद करता है।

इस प्रकार की गतिविधियाँ और प्रक्रियाएँ बच्चों की उम्र और स्तर के अनुसार उपयुक्त हैं और उन्हें पाठ से जोड़ने में मदद करेंगी।

अनुबद्ध कार्य:

वाक्यांशों के लिए पाठ से एक शब्द चुनें। (पृष्ठ संख्या 75)

पृष्ठ संख्या 76 के प्रश्नों के उत्तर लिखकर दें।

चर्चा करेंऔर लिखें।

वायु का कहना है कि वैज्ञानिकों ने उसके नियम जानकर और उससे मित्रता करके पानी के जहाज़, विंडमिलें और हवाई जहाज़ों का आविष्कार किया। इनके चलने में वायु का क्या महत्व है? यह जानकारी एकत्रिक करके कक्षा में उसकी चर्चा करें।

लेखन संकेत:

अच्छे लेखन के लिए आवश्यक है- जानकारी और कल्पना।

जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रश्न पूछने होंगे। छह 'क' प्रश्नों के उत्तर तुम्हें सारी जानकारी दे देंगे। ये छह प्रश्न हैं-

कौन? क्या? कब? कहाँ? क्यों? कैसे?

अपने विषय 'डायनोसॉर जीवन की एक कहानी' के लिए तुम पूछ सकते हो-

कौन- डायनोसॉर कौन थे?

कैसे- उनका शरीर कैसा था? उनके पैर कैसे थे?

क्या- वे अपना जीवन-पोषण करने के लिए क्या करते थे?

क्यों- डायनोसॉर धरती से क्यों लुप्त हो गए?

इन प्रश्नों के उत्तर तुम्हें पुस्तकों से मिल सकते हैं, रेडियो या टेलीविज़न के कुछ कार्यक्रमों से मिल सकते हैं, इंटरनेट से मिल सकते हैं या किसी विशेषज्ञ से मिल सकते हैं।

कल्पना की उड़ान तुम्हें किसी जगत से ले जा सकती है। अपनी कल्पना को जगाने के लिए भी तुम प्रश्न पूछ सकते हो कि यदि तुम उड़नेवाले डायनोसॉर होते तो तुम वायु से क्या कहते? तुम अपने बच्चों को क्या समझाते, अपने माता-पिता से क्या पूछते? यदि डायनोसॉर आज की दुनिया में आ जाते तो उन्हें कैसा लगता?

.....

यह आवश्यक नहीं है कि हर लेख में इन सभी प्रकार के प्रश्नों को पूछा जाए, या कल्पना और जानकारी को बराबर महत्व दिया जाए। ये प्रश्न केवल सहायक हैं। लेखक इनका प्रयोग अपने विषय के अनुसार करते हैं।

4.कश्मीरः दुनियाँ का जन्नत (निबंध)

उद्देश्य:

कश्मीर की समझ: बच्चों को कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति, और लोगों के जीवन के बारे में समझने में मदद करना।

सृजनात्मकता का विकास: बच्चों की सृजनात्मकता और कला कौशल को प्रोत्साहित करना।

भाषा कौशल में सुधार: बच्चों की भाषा और लेखन क्षमता को बढ़ावा देना।

संस्कृति की पहचान: बच्चों को भारत के विभिन्न प्रदेशों और उनकी संस्कृतियों के बारे में जागरूक बनाना।

गतिविधि: लघु लेख का वाचन करके आशय समझना और विश्लेषण करना।

प्रक्रिया:

वाचन प्रक्रिया चलाएँ।

वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ।

दलों में विचार विनिमय का मौका दें।

कक्षा को निम्नलिखित प्रक्रियाओं से रोचक बनाने की कोशिश करें।

1.पाठ की समझ और चर्चा

- **कक्षा चर्चा:** बच्चों से कश्मीर के बारे में सवाल पूछें जैसे, "कश्मीर को स्वर्ग क्यों कहा जाता है?" और "गुल मुहम्मद कौन है और वह क्या करता है?"। इससे बच्चों को कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता और वहां के लोगों की जीवनशैली के बारे में समझने में मदद मिलेगी।
- **चित्र देखना और चर्चा करना:** कश्मीर के दृश्यों, हाउसबोट्स, डल झील, और निशात बाग के चित्र कक्षा में दिखाएं और बच्चों से उनकी सुंदरता और महत्व पर चर्चा करें।

2. सृजनात्मक गतिविधियाँ

- **चित्रकारी:** बच्चों से कश्मीर के सुंदर दृश्य, जैसे कि डल झील, शिकारा, या हाउसबोट का चित्र बनाने को कहें। इससे उनकी सृजनात्मकता और कला कौशल में वृद्धि होगी।
- **कश्मीर का मॉडल बनाना:** बच्चों से एक समूह में काम करके कागज, रंग, और अन्य सामग्री का उपयोग करते हुए कश्मीर का एक छोटा मॉडल बनाने को कहें। इसमें डल झील, शिकारा, बर्फ से ढके पहाड़ आदि शामिल हो सकते हैं।

3. भाषा और लेखन गतिविधियाँ

- **कहानी लिखना:** बच्चों से गुल मुहम्मद की एक दिन की दिनचर्या पर एक छोटी कहानी लिखने के लिए कहें। इससे बच्चों की लेखन क्षमता और कल्पनाशक्ति में सुधार होगा।
- **कविता बनाना:** बच्चों से कश्मीर की सुंदरता पर एक छोटी कविता लिखने को कहें। वे "कश्मीर" शब्द का उपयोग करके छोटी-छोटी पंक्तियों में कविता बना सकते हैं।

4. प्रायोगिक गतिविधियाँ

- **कश्मीर के खाने का अनुभव:** बच्चों को कक्षा में एक छोटे से "कश्मीरी खाने का अनुभव" कराने की योजना बनाएं, जिसमें कश्मीरी व्यंजन, जैसे कि खीर, नमकीन चाय आदि का स्वाद लेने का अवसर मिले। इससे बच्चे कश्मीर की संस्कृति को महसूस कर सकेंगे।

5. शब्दावली निर्माण

- **नए शब्द:** पाठ में आए कुछ नए शब्द, जैसे "शिकारा", "हाउसबोट", "डल झील", "काँगड़ी", आदि को बच्चों से समझने और वाक्यों में उपयोग करने के लिए कहें।
- **पढ़ाई के बाद की शब्दावली:** बच्चों से कश्मीर से जुड़े नए शब्दों को एक-एक करके पूछें और उनका अर्थ समझाएं।

इन गतिविधियों और प्रक्रियाओं के माध्यम से बच्चे कश्मीर के बारे में न केवल जानेंगे, बल्कि उसकी सुंदरता और संस्कृति का भी अनुभव करेंगे।

अनुबद्ध कार्य:

सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरें। (पृष्ठ संख्या 80)
पृष्ठ संख्या 80 के प्रश्नों के उत्तर लिखकर दें।
कश्मीर की सुंदरता पर टिप्पणी लिखें। (पृष्ठ संख्या 80)

पर्यायवाची शब्दः

नावःनौका, शिकारा **चोटीः** शिखर, शीर्ष **तटः**किनारा, छोर, साहिल
बागःउद्यान, बगीचा **रास्ताः**मार्ग, पथ, राह**लहरः**हिलोर, तरंग

विलोम शब्दः

उचित x अनुचित	प्रसिद्ध xअप्रसिद्ध
दृश्य x अदृश्य	फुर्ती x सुस्ती